

# 中学文言文助读

(增订本)

杨 振 中 编

# 中学文言文助读

(增订本)

杨振中 编

上海教育出版社

## 中学文言文助读

(增订本)

杨振中 编

上海教育出版社出版发行

(上海永福路123号)

各地新华书店经销 江苏海门印刷厂印刷

开本 787×1092 1/32 印张 9 字数 181,000

1981年1月第1版

1987年8月第2版 1998年4月第19次印刷

印数 1,976,251—1,996,270 本

ISBN 7-5320-1615-3/C·1570 定价:8.00元

## 编者的话

提高文言文的阅读和翻译水平,关键在于多读多练。读得多了,练得多了,常见的文言实词、文言虚词和文言句式,是不难掌握的。反之,如果脱离文章,孤立地学习文言词语和句式,往往会事倍功半,解决不了问题。本书(初版)收编了三百多则文言片断,分成五个单元。第一单元是词语学习;第二单元是句式简介;第三单元是标点练习(附答案);第四单元是翻译参考;第五单元是文言文自学资料。每个单元均力求由浅入深,以便逐步提高。我们想通过这些片断的学习和练习,帮助大家打个基础。

本书所收的文言片断,内容涉及面较广。天文地理,历史典故,风土人情,为政治学,轶事掌故,几乎都有。这一方面可以提高学习兴趣,不至于学而无味;另一方面也可以扩大知识面,多了解一点。这样,不仅有利于进一步学习其他古文,而且有利于学习语体文及提高写作水平。

提高文言文的阅读和翻译水平,不能企求毕其功于一役。要细水长流,持之以恒。每天读一则,一年就可掌握三百六十则。日积月累,水平就能不断提高。“骐驎一跃,不能十步,弩马十驾,功在不舍”。学习文言文,要有“锲而不舍”的精神。

由于客观条件和水平的限制,所选的材料还不够广泛,注释、译文以及编排方面,可能还存在不少缺点和错误,请读者指正。

本书在编写过程中,得到不少同志的帮助,在此谨表感谢。

## 再版的话

本书自 1981 年出版后,颇受读者欢迎。现应广大读者要求,作了较大的修订,删去了与统编教材中重复的内容,增补了近二百则更有趣味性、更有教育意义的材料,以适合初、高中各年级学生自修的需要。

当初编写本书时,我希望读者在三方面有所得益:第一,阅读这些材料后,能积累一定数量的文言词语,掌握文言语法的基本特点,为今后阅读浅近的文言文打下良好的基础。第二,在思想上有所启迪。即从前人的经验与教训、成功与失败中得到借鉴,有助于把自己培养成一个具有高尚情操及富于聪明才智的人。实践证明,以上两个目的基本上能够达到。第三,通过对这些材料的阅读,提高写作水平。不少同学怕作文,尤其是怕写议论文。他们总觉得没有材料,巧妇难为无米之炊。那末,书中的大量故事,正是写读后感的好材料;很多生动的事理,正可以作为有力的论据。而这一点,尚有少数读者未充分注意,趁此机会,特别加以说明,以期在阅读本书时取得一举多得的效果。

本书出版后,得到了很多同志的宝贵意见,谨表感谢。

编者

1986.6

# 目 录

## 第一单元 文言词语学习

- |                      |                       |
|----------------------|-----------------------|
| 1. 王戎识李 ····· (7)    | 19. 汉世老人 ····· (14)   |
| 2. 陆绩怀桔 ····· (7)    | 20. 自相矛盾 ····· (14)   |
| 3. 掩耳盗铃 ····· (7)    | 21. 大 勇 ····· (14)    |
| 4. 邴原泣学 ····· (8)    | 22. 各人咬一口 ····· (15)  |
| 5. 画龙点睛 ····· (8)    | 23. 观棋自羞 ····· (15)   |
| 6. 蛇衔草 ····· (8)     | 24. 獠 ····· (15)      |
| 7. 对牛弹琴 ····· (9)    | 25. 义犬救主 ····· (16)   |
| 8. 李存审戒子 ····· (9)   | 26. 高凤笃学 ····· (16)   |
| 9. 秦武王偏听 ····· (9)   | 27. 齐人攫金 ····· (17)   |
| 10. 修改一法 ····· (10)  | 28. 孟母戒子 ····· (17)   |
| 11. 杀驼破瓮 ····· (10)  | 29. 诲学 ····· (17)     |
| 12. 尹绰之爱 ····· (11)  | 30. 荆人袭宋 ····· (18)   |
| 13. 司马光救友 ····· (11) | 31. 小 人 ····· (18)    |
| 14. 塞翁失马 ····· (11)  | 32. 蝙 蝠 ····· (18)    |
| 15. 曹冲称象 ····· (12)  | 33. 鲁丹见中山君 ····· (19) |
| 16. 商鞅立木 ····· (12)  | 34. 人有亡铁者 ····· (19)  |
| 17. 陶侃节约 ····· (13)  | 35. 天雨谷 ····· (20)    |
| 18. “草”书 ····· (13)  | 36. 鲁人锯竿 ····· (20)   |

- |             |      |              |      |
|-------------|------|--------------|------|
| 37. 华佗治病    | (20) | 63. 杯弓蛇影     | (31) |
| 38. 苛政猛于虎   | (21) | 64. 搔痒       | (31) |
| 39. 钱若赓断鹄   | (21) | 65. 明日歌      | (31) |
| 40. 兄弟争雁    | (22) | 66. 割席分坐     | (32) |
| 41. 读书与作文   | (22) | 67. 慕名失实     | (32) |
| 42. 唐太宗纳谏   | (22) | 68. 教学相长     | (33) |
| 43. 王冕僧寺夜读  | (23) | 69. 各言尔志     | (33) |
| 44. 神像      | (23) | 70. 诸葛亮用人    | (34) |
| 45. 陈蕃一室    | (24) | 71. 三镜自照     | (34) |
| 46. 李勣煮粥    | (24) | 72. 朽木不可雕    | (34) |
| 47. 锡饬(錫)不辨 | (24) | 73. 项羽不肯竟学   | (35) |
| 48. 凿壁借光    | (25) | 74. 顾炎武不释卷   | (35) |
| 49. 李广射石    | (25) | 75. 从“一”至“万” | (36) |
| 50. 唐太宗论举贤  | (26) | 76. 望梅止渴     | (36) |
| 51. 铁杵磨针    | (26) | 77. 孟子对滕文公   | (37) |
| 52. 刘庭式娶盲女  | (27) | 78. 荀巨伯探友    | (37) |
| 53. 老农指瑕    | (27) | 79. 字期清爽     | (37) |
| 54. 葛洪苦学    | (27) | 80. 陆游家训     | (38) |
| 55. 为者常成    | (28) | 81. 只许州官放火   | (38) |
| 56. 欧阳询观古碑  | (28) | 82. 业精于勤     | (39) |
| 57. 文征明习字   | (29) | 83. 狂泉       | (39) |
| 58. 囊萤夜读    | (29) | 84. 佞人       | (39) |
| 59. 以百姓为甲兵  | (29) | 85. 齐人有好猎者   | (40) |
| 60. 卖柴翁殴宦者  | (30) | 86. 笔冢       | (40) |
| 61. 攘鸡者强辩   | (30) | 87. 孙叔敖受教    | (41) |
| 62. 富民在先    | (30) | 88. 牛角挂书     | (41) |

89. 吴起求将 ..... (42)
90. 孙臆赛马 ..... (42)
91. 郑武公伐胡 ..... (43)
92. “老头子” ..... (43)
93. 魏征论炀帝 ..... (44)
94. 为将八弊 ..... (44)
95. 要在人和 ..... (45)
96. 诸葛亮论赏罚 ..... (45)
97. 冯道谈骑马 ..... (45)
98. 治国与治身 ..... (46)
99. 岳飞破“拐子马” ..... (46)
100. 越人造车 ..... (47)
101. 矮屋难抬头 ..... (47)
102. 包拯家训 ..... (48)
103. 伊犁凿井 ..... (48)
104. 唐高祖论止盗 ..... (49)
105. 张仪受辱 ..... (49)
106. 螳螂杀蛇 ..... (49)
107. 刘熙载论《国策》 ..... (50)
108. 邹与鲁哄 ..... (50)
109. 王充论文与道 ..... (51)
110. 鉴秦而止 ..... (51)
111. 李白之死 ..... (52)
112. 夜半钟声 ..... (52)
113. 吕僧珍不仗势 ..... (53)
114. 厉王止谤 ..... (53)
115. 刘羽冲泥古 ..... (54)
116. 陈涉故人 ..... (54)
117. 善善恶恶而亡 ..... (55)
118. 受谏与谏人 ..... (55)
119. 孙权劝吕蒙读书 ..... (56)
120. 东吴四将 ..... (56)
121. 君子之学 ..... (57)
122. 司马光编《资治通鉴》 .....  
..... (58)
123. 良马对 ..... (58)
124. 汉高祖封肖何 ..... (59)
125. 强项令董宣 ..... (60)
126. 司马光好学 ..... (61)
127. 石勒大度 ..... (61)
128. 谜语一则 ..... (62)
129. 何充直言 ..... (62)
130. 季扎挂剑 ..... (62)
131. 鹤死怀中 ..... (63)
132. 汉武帝招贤 ..... (63)
133. 宣王好谏 ..... (63)
134. 势利鬼吴生 ..... (64)
135. 范式不失约 ..... (64)
136. 王欢耽学 ..... (64)
137. 王世充嗜苏 ..... (65)
138. 物各有短长 ..... (65)
139. 二喜一惧 ..... (65)



140. 丑妇效颦 ..... (66)
141. 蒲元识水 ..... (66)
142. 养由基射箭 ..... (66)
143. 叶廷珪抄书 ..... (67)
144. 学草书观夏云 ..... (67)
145. 蒲松龄博采 ..... (67)
146. 不学则墙面 ..... (68)
147. 曹操败走华容道 ..... (68)
148. 虾蟆夜哭 ..... (68)
149. 共工怒触不周山 ..... (69)
150. 用兵四“治” ..... (69)
151. 名落孙山 ..... (69)
152. 王安石改诗 ..... (70)
153. 读书要“三到” ..... (70)
154. 林之栋画兰 ..... (70)
155. 皮之不存,毛将焉附 .....  
..... (71)
156. 宋太祖治军 ..... (71)
157. 承官拾薪求学 ..... (71)
158. 孟母三迁 ..... (72)
159. 王羲之学书 ..... (72)
160. 王羲之书扇 ..... (72)
161. 竹高几何 ..... (73)
162. 好战必亡 ..... (73)
163. 鲁宗道刚直 ..... (73)
164. 金陵逆旅 ..... (73)
165. 多乎哉? 不多也  
..... (74)
166. 红毛毡 ..... (74)
167. 张溥勤抄 ..... (74)
168. 一举而三役济 ..... (75)
169. 晏子谏杀烛邹 ..... (75)
170. 一举两得 ..... (76)
171. 王积薪自愧 ..... (76)
172. 一傅众咻 ..... (76)
173. 孔子因材施教 ..... (77)
174. 王勃拟腹稿 ..... (77)
175. 创业与守成 ..... (77)
176. 晏子之御者 ..... (78)
177. 魏征论自制 ..... (78)
178. 文章要多做 ..... (78)
179. 割鸡焉用牛刀 ..... (79)
180. 嗟来之食 ..... (79)
181. 南辕北辙 ..... (79)
182. 钱金玉舍生取义  
..... (80)
183. 行云流水 ..... (80)
184. 智伯贪得而亡 ..... (81)
185. 秦士好古 ..... (81)

## 第二单元 文言句式简介

- |                         |                                |
|-------------------------|--------------------------------|
| 186. 曹冲智救库吏 …………… (97)  | 209. 晋人贪财 …………… (109)          |
| 187. 多多益善 …………… (97)    | 210. 程门立雪 …………… (110)          |
| 188. 喜尾自害 …………… (98)    | 211. 孔子发愤忘食 …………… (110)        |
| 189. 陨 星 …………… (98)     | 212. 用法务在宽简 …………… (111)        |
| 190. 幽王失信身亡 …………… (99)  | 213. 响遏行云 …………… (111)          |
| 191. 子产相郑 …………… (99)    | 214. 破身藏珠 …………… (112)          |
| 192. 子产海游吉 …………… (100)  | 215. 以邻为壑 …………… (112)          |
| 193. 藏文仲祭海鸟 …………… (100) | 216. 郑人买履 …………… (113)          |
| 194. 南歧之见 …………… (101)   | 217. 歧路亡羊 …………… (113)          |
| 195. 长孙顺德受贿 …………… (101) | 218. 三人行, 必有我<br>师 …………… (114) |
| 196. 宋濂正直 …………… (102)   | 219. 三人成虎 …………… (114)          |
| 197. 王荆公独游 …………… (103)  | 220. 无 譬 …………… (115)           |
| 198. 桥玄论曹操 …………… (103)  | 221. 澄子强辞夺理 …………… (116)        |
| 199. 陈在衡不怕鬼 …………… (104) | 222. 约法三章 …………… (116)          |
| 200. 贵 天 …………… (104)    | 223. 冯妇之死 …………… (117)          |
| 201. 卖 犬 …………… (105)    | 224. 日 喻 …………… (118)           |
| 202. 孙叔敖杀蛇 …………… (105)  | 225. 水 喻 …………… (118)           |
| 203. 三患五耻 …………… (106)   | 226. 钴姆潭西小丘<br>记 …………… (119)   |
| 204. 唐太宗吞蝗 …………… (106)  | 227. 黎丘丈人 …………… (119)          |
| 205. 惟仁是亲 …………… (107)   | 228. 越人遇狗 …………… (120)          |
| 206. 佞倭者承蜩 …………… (108)  | 229. 晏子使楚 …………… (121)          |
| 207. 学 弈 …………… (108)    |                                |
| 208. 子贡论孔子 …………… (109)  |                                |

- |                         |                         |
|-------------------------|-------------------------|
| 230. 宰臣对晋文公 …………… (121) | 240. 哀 溺 …………… (127)    |
| 231. 炳烛而学 …………… (122)   | 241. 八哥起哄 …………… (127)   |
| 232. 揠苗助长 …………… (122)   | 242. 工之侨为琴 …………… (128)  |
| 233. 陶母责子 …………… (123)   | 243. 陶侃惜谷 …………… (129)   |
| 234. 管仲破厚葬 …………… (123)  | 244. 指鹿为马 …………… (129)   |
| 235. 论学诗二则 …………… (124)  | 245. 师旷撞晋平公 …………… (130) |
| 236. 鲁人徙越 …………… (124)   | 246. 管仲答封人 …………… (131)  |
| 237. 世评华、王 …………… (125)  | 247. 燕昭王求贤 …………… (131)  |
| 238. 顾荣施炙 …………… (125)   | 248. 若石之死 …………… (132)   |
| 239. 商鞅治秦 …………… (126)   | 249. 文德皇后 …………… (133)   |

### 第三单元 文言标点练习

- |                                     |                         |
|-------------------------------------|-------------------------|
| 250. 牛弘笃学 …………… (139)               | 261. 治病杂谈 …………… (142)   |
| 251. 龙 …………… (139)                  | 262. 宋濂苦学 …………… (142)   |
| 252. 子罕弗受玉 …………… (139)              | 263. 十五贯 …………… (143)    |
| 253. 刻削之道 …………… (139)               | 264. 尉迟敬德 …………… (143)   |
| 254. 读书百遍,其义<br>自见 …………… (140)      | 265. 黄牛滩 …………… (143)    |
| 255. 得过且过 …………… (140)               | 266. 顾况戏白居易 …………… (144) |
| 256. 不察之患 …………… (140)               | 267. 嬉 谑 …………… (144)    |
| 257. 国家之患 …………… (141)               | 268. 无绳不可服牛 …………… (144) |
| 258. 得之不难,失之必易 ……………<br>…………… (141) | 269. 小儿不畏虎 …………… (145)  |
| 259. 画鬼易 …………… (141)                | 270. 孟母不欺子 …………… (145)  |
| 260. 范仲淹有志 …………… (142)              | 271. 及之而后知 …………… (145)  |
|                                     | 272. 曹操墓传闻 …………… (146)  |
|                                     | 273. 凸 镜 …………… (146)    |

- |                         |                          |
|-------------------------|--------------------------|
| 274. 识弓与治国 …………… (146)  | 281. 林逋养鹤 …………… (149)    |
| 275. 韩愈像辨误 …………… (147)  | 282. 辞书与字书 …………… (150)   |
| 276. 一字师 …………… (147)    | 283. 兵 家 …………… (150)     |
| 277. 王安石集句 …………… (148)  | 284. 晏子论“不祥” …………… (150) |
| 278. 王沂公避奉迎 …………… (148) | 285. 钩刺狼腭 …………… (151)    |
| 279. 旋 风 …………… (148)    | 286. 王昭君 …………… (151)     |
| 280. 避风行船 …………… (149)   |                          |

#### 第四单元 文言翻译参考

- |                         |                         |
|-------------------------|-------------------------|
| 287. 赵人养猫 …………… (169)   | 303. 社 鼠 …………… (181)    |
| 288. 颜回好学 …………… (169)   | 304. 长善而教失 …………… (182)  |
| 289. 慎 处 …………… (170)    | 305. 千里马遇伯乐 …………… (182) |
| 290. 孟子论大丈夫 …………… (171) | 306. 子产不毁乡校 …………… (183) |
| 291. 子路受教 …………… (171)   | 307. 不死之药 …………… (184)   |
| 292. 诫子书 …………… (172)    | 308. 李白嗜酒 …………… (185)   |
| 293. 细柳营 …………… (173)    | 309. 强记之法 …………… (186)   |
| 294. 信言不美 …………… (174)   | 310. 未死之鬼 …………… (187)   |
| 295. 之乎者也 …………… (175)   | 311. 治水必躬亲 …………… (187)  |
| 296. 欧阳修论作文 …………… (176) | 312. 韩信受辱 …………… (188)   |
| 297. 血 山 …………… (176)    | 313. 圯上老人 …………… (189)   |
| 298. 用兵之术 …………… (177)   | 314. 陆贾说汉高祖 …………… (191) |
| 299. 郢书燕悦 …………… (178)   | 315. 汉有三杰 …………… (192)   |
| 300. 缚虎不得不急 …………… (179) | 316. 赵威后问齐使 …………… (193) |
| 301. 老马识途 …………… (179)   | 317. 螳螂捕蝉 …………… (194)   |
| 302. 精卫填海 …………… (180)   | 318. 涉深水者观蛟             |

- |                             |                        |
|-----------------------------|------------------------|
| 龙····· (195)                | 329. 贤惠桓少君····· (206)  |
| 319. 明太祖杖茹太<br>素····· (195) | 330. 胸有成竹····· (207)   |
| 320. 徐有功秉公····· (196)       | 331. 推    敲····· (208) |
| 321. 螭蟻传····· (197)         | 332. 和氏璧····· (209)    |
| 322. 神宗信王安石····· (198)      | 333. 河中石兽····· (210)   |
| 323. 问    说····· (199)      | 334. 宋定伯捉鬼····· (212)  |
| 324. 王顾左右而言<br>他····· (201) | 335. 鬼避姜三莽····· (213)  |
| 325. 惠子相梁····· (201)        | 336. 奇货可居····· (214)   |
| 326. 狙    公····· (202)      | 337. 五十步笑百步····· (215) |
| 327. 赵括纸上谈兵····· (204)      | 338. 张释之执法····· (216)  |
| 328. 腹蕲无私····· (205)        | 339. 杞人忧天····· (218)   |
|                             | 340. 纪昌学射····· (219)   |

### 第五单元 文言自学资料

- |                        |                         |
|------------------------|-------------------------|
| 341. 关羽刮骨疗毒····· (225) | 351. 王充市肆博览····· (228)  |
| 342. 朱元璋论用人····· (225) | 352. 陶侃惜分阴····· (228)   |
| 343. 智仁勇····· (225)    | 353. 任末好学····· (229)    |
| 344. 富不易妻····· (226)   | 354. 外科医生····· (229)    |
| 345. 多言何益····· (226)   | 355. 治    驼····· (229)  |
| 346. 法不赦子····· (226)   | 356. 巫马其买鸩····· (230)   |
| 347. 徐有功廷争····· (227)  | 357. 牝鸡失雏····· (230)    |
| 348. 鲁哀公问冠····· (227)  | 358. 鸬    学舌····· (230) |
| 349. 宋太祖怕史官····· (227) | 359. 涓蜀梁之死····· (231)   |
| 350. 鼠画逼真····· (228)   | 360. 文人相轻····· (231)    |

361. 训子从学 ..... (231)
362. 治本在得人 ..... (232)
363. 裴旻射虎 ..... (232)
364. 阿柴折箭 ..... (232)
365. 陈万年教子 ..... (233)
366. 曾参全节 ..... (233)
367. 学者之病 ..... (233)
368. 神针道人 ..... (234)
369. 世无良猫 ..... (234)
370. 王粲默记 ..... (234)
371. 治国犹栽树 ..... (235)
372. 墨子怒耕柱子 ..... (235)
373. 女 训 ..... (235)
374. 樊重有远见 ..... (236)
375. 写作二论 ..... (236)
376. 唐太宗不徇私 ..... (236)
377. 写经换鹅 ..... (237)
378. 梅谷化妻 ..... (237)
379. 李离自刑 ..... (237)
380. 书 巢 ..... (238)
381. 口蜜腹剑 ..... (238)
382. 舐痔得车 ..... (238)
383. 何易于挽纤 ..... (239)
384. 杨震不受贿 ..... (239)
385. 夔一足 ..... (240)
386. 大 鼠 ..... (240)
387. 说 虎 ..... (240)
388. 用 计 ..... (241)
389. 木制机械人 ..... (241)
390. 逸马杀犬 ..... (242)
391. 读书五失 ..... (242)
392. 吕蒙正雅量 ..... (242)
393. 富 民 ..... (243)
394. 居安思危 ..... (243)
395. 古之豪杰 ..... (243)
396. 孟尝君论 ..... (244)
397. 坚忍不拔 ..... (244)
398. 挂牛头卖马肉 ..... (244)
399. 齐国两大夫 ..... (245)
400. 黠 鼠 ..... (245)
401. 苏武牧羊 ..... (246)
402. 义 猴 ..... (246)
403. 欲速则不达 ..... (246)
404. 勤 训 ..... (247)
405. 五 虫 ..... (247)
406. 司马迁赞李广 ..... (248)
407. 魏征与唐太宗 ..... (248)
408. 刘颇当机立断 ..... (248)
409. 载舟覆舟 ..... (249)
410. 晏子逐高缭 ..... (249)
411. 疏广论遗产 ..... (249)
412. 尺椹取半 ..... (250)

413. 以文饰言 ..... (250)
414. 黑 说 ..... (251)
415. 择善简能 ..... (251)
416. 大树将军 ..... (251)
417. 狄仁杰与娄师  
德 ..... (252)
418. 苏秦见楚王 ..... (252)
419. 恶 镜 ..... (252)
420. 魏文侯期猎 ..... (253)
421. 泽人网雁 ..... (253)
422. 贾逵幼学 ..... (253)
423. 农妇斥神 ..... (254)
424. 欲爱反害 ..... (254)
425. 猫 说 ..... (255)
426. 陆贽论切务 ..... (255)
427. 才行罕全 ..... (256)
428. 不知类 ..... (256)
429. 名医华佗 ..... (256)
430. 说 猿 ..... (257)
431. 背诺之人 ..... (257)
432. 墨子喻巫马子 ..... (258)
433. 文以明道 ..... (258)
434. 班 超 ..... (258)
435. 柳子厚之风 ..... (259)
436. 管仲与鲍叔牙 ..... (259)
437. 陆象先治蜀 ..... (260)
438. 殿上虎 ..... (261)
439. 杯酒释兵权 ..... (261)
440. 知 变 ..... (262)
441. 兴中会宣言 ..... (262)
442. 像过其实 ..... (263)
443. 河阳猪 ..... (263)
444. 博徒贷资 ..... (263)
445. 迂公修屋 ..... (264)
446. 越人溺鼠 ..... (264)
447. 郑玄谦让 ..... (264)
448. 秦惠王灭蜀 ..... (264)
449. 鲁哀侯弃国 ..... (265)
450. 卜皮论慈惠 ..... (265)
451. 假 人 ..... (265)
452. 畏影恶迹 ..... (266)
453. 山涛拒賂 ..... (266)
454. 得人心 ..... (266)
455. 陈元方答客 ..... (267)
456. 与民同乐 ..... (267)
457. 肉食者谋 ..... (267)
458. 吴国二使者 ..... (268)
459. 伶人切谏 ..... (268)
460. 六国与秦 ..... (268)
461. 杜根避难 ..... (269)

## 第一单元 文言词语学习

---

### 文言字词的一些特点

现代汉语是从古代汉语发展而来的，它们之间有很多共同的地方，一部分字词，如“山”“水”“牛”“田”“取”“弃”“追”“观”“美”“恶”“强”“弱”等，无论音、形、义，古今大体是一致的。但就语言文字的整体来说，因为时代相隔久远，而且语言文字本身也在不断发展，因此古代汉语与现代汉语又有很多差异。阅读文言文，首先要力求掌握古今字词的差异。那末差异表现在什么地方呢？为了说明这个问题，我们先举一个例子：

卫人嫁其子而教之曰：“必私积聚。为人妇而出，常也；其成居，幸也。”其子因私积聚。其姑以为多私而出之。其子所以反者，倍其所以嫁。其父不自罪于教子非也，而自知其益富。（《韩非子·说林上》）

在上述一段文字中，“子”，是指“女儿”；“出”，指“休弃”，即“被婆家逐回娘家”；“幸”，指“侥幸”；“姑”，不是现代汉语中通常指的“姑母”或“姑嫂”的“姑”，而是指“婆婆”；“反”，同“返”，解释为“回来”；“倍”，同“背”，解释为“违背”；“罪”，本是



名词,这里作动词用,解释为“责备”;“知”,同“智”,也作动词用,解释为“认为聪明”。这段文字译成现代汉语是:

卫国有个人嫁女儿时教育她说:“一定要私底下积聚钱财。做人家媳妇而被逐回娘家,是常有的事;那些能成家立业,终身偕老的,是侥幸的事。”他的女儿因此私下积聚钱财。她的婆婆认为她积了很多私财而把她赶回娘家。卫人的女儿所以被赶回家,是违背了她要出嫁的道理。她的父亲不责备自己对女儿教育的错误,反而自以为见识高明而能增加财富。

由此看来,比较正确地掌握了字词的音、形、义,就能弄懂弄通文言文的意思,否则常常会搞错。下面简要地介绍文言文字词的一些特点。

### (一)通假字

在文言文中,有些字的读音和意义完全相同,只是形体不同而已,即甲等于乙,这两个字就叫通假字。在上述《韩非子·说林上》的一段文字中,“反”同“返”,“知”同“智”,就是通假现象。在本书收集的资料中,也将出现很多通假字,撮要举例如下:

- |               |             |
|---------------|-------------|
| 禽——同“擒”,逮住。   | 离——同“罹”,遭受。 |
| 说——同“悦”,高兴。   | 直——同“值”,价值。 |
| 从——同“纵”,纵横的纵。 | 见——同“现”,显出。 |
| 生——同“性”,本性。   | 县——同“悬”,悬挂。 |
| 疾——同“嫉”,妒忌。   | 闵——同“悯”,担忧。 |
| 陈——同“阵”,阵营。   | 罢——同“疲”,疲乏。 |
| 内——同“纳”,接纳。   | 奉——同“捧”,捧着。 |
| 卒——同“猝”,突然。   | 详——同“佯”,假装。 |